नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

विदेशी भाषाएँ और रोजगार के अवसर

भाषाओं का ज्ञान व्यक्तित्व निर्माण में बहुत ही महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है । किसी भी अपरिचित भाषा का एक भी शब्द अपने साथ ज्ञान का एक नया संसार खोलता है । भाषा संचार का माध्यम होती है और यह माध्यम जितना ठीक एवं सशक्त होता है, उतना ही व्यक्ति जीवन में सफल और ग्राही होता है । हिंदी और अँग्रेजी के अतिरिक्त अन्य भाषाओं का ज्ञान भी आवश्यक है। भाषाएँ व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण में भी सहयोग करती हैं । इससे भाषा वैज्ञानिक एवं मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण को समझने में मदद मिलती है ।

आज वैश्वीकरण के युग में दुनिया के तमाम देश एक-दूसरे के काफी करीब आ गये हैं और इनमें आपसी व्यापार एवं राजनीतिक संबंधों का विस्तार हुआ है । आज भारत एक विकासशील देश के रूप में काफी आगे निकल रहा है । भारत का संबंध दुनिया के अन्य देशों के साथ बढ़ा है साथ ही अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषाओं के जानकारों की मांग भी बढ़ती जा रही है । वर्तमान में विदेशी भाषा के क्षेत्र में करियर की काफ़ी संभावनाएँ हैं । आज युवाओं को परंपरागत विषयों को छोड़कर कम

से कम एक विदेशी भाषा को सीखने की आवश्यकता है । अगर आप अन्य विषयों के साथ भी किसी विदेशी भाषा में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा एवं एडवांस्ड डिप्लोमा करते हैं तो यह ऐडेड एडवांटेज के रूप में होता है तथा आपके लिए ज्यादा बेहतर करियर संभावनाएँ होती हैं ।
लोकप्रियता एवं व्यावसायिक दृष्टि से फ्रेंच भाषा सर्वाधिक सीखी जानेवाली भाषा के रूप में जानी जाती है । यह फ्रांस, स्विट्ज़रलैंड, कनाडा, बेल्जियम, लक्सेंबर्ग, मारीशस एवं अफ़्रीका के कई देशों में बोली जाती है । विदेशी भाषा के रूप में भी फ्रेंच सीखने वालों की संख्या सर्वाधिक है । विदेशी भाषा के रूप में जर्मन एवं स्पेनिश भी कम लोकप्रिय नहीं है । जर्मन को फ्रेंच के बाद अवसरों की भाषा के रूप में संज्ञा दी जाती है क्योंकि यह एक शक्तिशाली अर्थव्यवस्था की भाषा है । इसका प्रभुत्व जर्मनी, स्विट्ज़रलैंड एवं आस्ट्रिया आदि देशों में है । फ्रेंच एवं जर्मन भाषा तो हमारे देश में स्कूल स्तर पर पढ़ाये जा रहें हैं तथा विद्यार्थियों में इनको लेकर खासा उत्साह है । रोजगार परक भाषा होने के कारण जापानी एवं कोरियन की भी विशेष मांग है । यदि चीन के बढ़ते व्यवसाय को देखा जाय तो चीनी भाषा भी रोजगार मुहैया कराने में किसी से पीछे नहीं है । अरबी, फारसी आदि का भी विशेष मांग है तथा मध्य एशिया के देशों में इनकी मांग ख़ासकर है । पश्तो, थाई जैसी भाषाओं के जानकार कम मिलते हैं इसलिए इनके जानकारों को भी विशेष स्थान प्राप्त है । रूस से हमारा पुराना मैत्रीपूर्ण संबंध रहा है इसलिए रूसी भाषा के प्रति भी लगाव बना हुआ है। यूरोप की अन्य भाषाएँ जैसे पुर्तगाली, इतालवी आदि भी अपनी उपस्थिति बनाए हुए हैं।

रोजगार की अपार संभावनाएँ:

विदेशी भाषाओं को सीखने पर रोजगार के अनेकानेक अवसर मौजूद हैं । यदि आप किसी विदेशी भाषा को सीखते हैं तो आप दुभाषिया या अनुवादक आसानी से बन सकते हैं । व्यापार संबंधों में विस्तार से इनकी मांग काफी बढ़ गयी है । इन्हें बेहतर पैकेज के साथ आसानी से नौकरी मिल जाती है । इसके अलावा पर्यटक गाइड, भाषा शिक्षक, भाषा विशेषज्ञ के रूप में भी कार्य किया जा सकता है । विभिन्न एयरलाइन्स, मीडिया, संचार एवं तकनीक के क्षेत्र में भी विदेशी भाषा के जानकारों की विशेष मांग है । इसके अतिरिक्त, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट, रिसर्च इंस्टीट्यूट, रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया, पुस्तक प्रकाशन, विदेशी कंपनियों, होटल और पर्यावरण उद्योग तथा सामाजिक क्षेत्र, एनजीओ, वाणिज्य व राजनयिक क्षेत्रों में भी करियर चुन सकते हैं । संयुक्त राष्ट्र, युनेस्को एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, में भी रोजगार की अपार संभावनाएँ हैं । हाल में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथसाथ भारतीय कंपनियों में भी विदेशी भाषा की खूब मांग है । टीसीएस, इंफ़ोसिस, कैपजेमिनी, जेनपैक्ट, एचसीएल, एचपी, गूगल, माइक्रोसॉफ़्ट, एयरबस, रायटर आदि बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार के उज्ज्वल अवसर हैं । आज तकनीकी और फार्मास्यूटिकल कंपनियाँ हों या कार कंपनियाँ, सभी जगह विदेशी भाषा के विशेषज्ञों की जरूरत है । फ़िल्म डबिंग एवं सबटाइटलिंग के क्षेत्र में भी विदेशी भाषा के जानकारों की अच्छी मांग है

। प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया के कारण अन्य कई बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ भारत में निर्माण कार्य करेंगी तथा विदेशी भाषा की मांग और भी बढ़ने की संभावना है । अभी भी जितने जानकारों की आवश्यकता है उतने विदेशी भाषा में दक्ष लोगों की संख्या नहीं है ।

विदेशी भाषा के विशेषज्ञों एवं जानकारों के लिए निम्नलिखित क्षेत्र/रूप में अवसर उपलब्ध हैं-

दुभाषिया/ अनुवादक के रूप में:

टीसीएस, इंफ़ोसिस, जेनपैक्ट, रिलायंस, महिंद्रा आदि भारतीय कंपनियाँ हों या कैपजेमिनी, एचसीएल, एचपी, आइबीएम, ओरेक्ल, गूगल, माइक्रोसॉफ़्ट, एयरबस, रायटर, आदि बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ हों, इन सभी में भारी संख्या में दुभाषिया एवं अनुवादक की आवश्यकता होती है । दुभाषिया अथवा इंटरप्रेटर एवं अनुवादक के रूप में विदेशी भाषा का जानकार फ्रीलांस या स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकता है अथवा किसी भी बहुराष्ट्रीय कंपनी में जॉब कर सकता है ।

पर्यटक गाइड :

अगर आप घूमना पसंद करते हों तो यह करियर एक अच्छा विकल्प हो सकता है । आप किसी भी पर्यटक एजेंसी से संपर्क कर उसके लिए कार्य कर सकते हैं । देश में पर्यटन उद्योग का तेजी से विस्तार हो रहा है। हर साल लाखों विदेशी सैलानी भारत आते हैं तथा इनके लिए टूरिस्ट गाइड या टूर ऑपरेटरों की जरूरत पड़ती है। गाइड के लिए विदेशी भाषा की जानकारी होना एक योग्यता-सी बन गयी है। मेडिकल टूरिज्म के तहत खाड़ी देशों के निवासी हर साल यहाँ निजी अस्पतालों में अपना इलाज कराने आ रहे हैं। इन्हें उचित तरीके से मार्गदर्शन के लिए विदेशी भाषा के विशेषज्ञों की जरूरत पड़ रही है।

भाषा शिक्षक :

आज देश के हरेक शहर के अच्छे स्कूलों के साथ अंतरराष्ट्रीय विद्यालयों में फ्रेंच, जर्मन आदि की पढ़ाई हो रही है । इसके साथ-साथ सभी एमबीए, बीबीए और इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराने वाले संस्थानों में एक विदेशी भाषा का विकल्प अवश्य दिया जा रहा है। इसलिए विदेशी भाषा के शिक्षकों की अच्छीखासी मांग है- । देश के करीब सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों में विदेशी भाषा की पढ़ाई हो रही है और इससे जुड़े कोर्स कराए जाते हैं। देश के कई शहरों में फ्रेंच भाषा के लिए आलिओंस फ्रौसेज एवं जर्मन के लिए मैक्स मूलर संस्थान स्थापित हैं ।

मीडिया के क्षेत्र में:

मीडिया के क्षेत्र में विदेशी भाषा के जानकारों की मांग बढ़ गयी है । आज पहले से ज्यादा विदेशी/अंतरराष्ट्रीय समाचार अखबारों एवं चैनलों में आते हैं । समाचारपत्रों में तो देश-विदेश अथवा अंतरराष्ट्रीय खबर के नाम से एक अलग पृष्ठ ही रहता है । रायटर एवं अन्य समाचार एजेंसियों में विदेशी भाषा के विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाती है । वैश्वीकरण के दौर में अनुवाद और पत्रपत्रिकाओं - का संपादन भी ऐसे लोगों को निजी व्यवसाय के रूप में काम करने का मौका दे रहा है। विदेशी भाषा के जानकार विदेशी मीडिया के लिए भारत से ही रिपोर्टिंग का काम संभाल रहे हैं। आज भारत में कई विदेशी समाचार एजेंसी एवं न्यूज़ चैनल कार्य कर रहें हैं जैसे फ़्रांस का न्यूज़ 24, रायटर, एएफ़पी आदि।

संचार एवं तकनीक के क्षेत्र में:

संचार एवं तकनीकी क्षेत्र की भारतीय कंपनियाँ पूरे विश्व में कार्यरत हैं तथा इनके क्लाईंट सभी देशों में हैं फलत: यहाँ भी विदेशी भाषाओं के जानकारों की ख़ासी मांग है । आज भारत सॉफ्टवेयर के क्षेत्र का बादशाह बना हुआ है तथा अपनी सेवाएँ सारे विश्व को मुहैया करा रहा है । इतना ही नहीं अन्य बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भारतीय जीवन एवं कार्य मूल्यों के कारण भारतीय इंजीनियरों/लोगों की विशेष मांग हैं । टीसीएस, इंफ़ोसिस, जेनपैक्ट, रिलायंस, टेकमहिंद्रा, कैपजेमिनी, एचसीएल, एचपी, आइबीएम, ओरेक्ल, गूगल, माइक्रोसॉफ़्ट, एयरबस, रायटर आदि सभी में विदेशी भाषा की जरूरत है । अगर कोई इंजीनियर विदेशी भाषा जनता है तो यह उसके लिए सोने पे सुहागा वाली बात जैसी होती है तथा यह एक ऐडेड या अतिरिक्त योग्यता होती है जिसे कोई भी कंपनी पसंद करती है ।

मेडिकल एवं फ़ार्मेसी :

आज भारतीय ड्रग कंपनियाँ पूरे विश्व में कार्य कर रही हैं साथ ही बाहरी बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ भारत में अपना व्यवसाय कर रहीं हैं । मेडिकल रिसर्च, फ़ार्मेसी आदि में अगर कोई विदेशी भाषा जानता हो तो यह उसके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है । भारत में चिकित्सा सस्ती होने के कारण मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा मिल रहा है तथा विदेशी लोग यहाँ अपना उपचार कराने ज्यादा संख्या में आ रहें हैं । इनके उचित मार्गदर्शन के लिए विदेशी भाषा के विशेषज्ञों की खोज हो रही है।

फ़िल्म डबिंग एवं सबटाइटलिंग:

भारत में विदेशी भाषा की फिल्मों एवं अन्य कार्यक्रमों की मांग पहले से कई गुना बढ़ गयी है । अब विदेशी फिल्में हिंदी के साथ-साथ अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में भी डब हो रहीं हैं । अब तो स्पाइडरमैन जैसी फिल्में भोजपुरी आदि में भी रिलीज़ हो रहीं हैं अत: फ़िल्म क्षेत्र में डबिंग एवं सबटाइटलिंग के

लिए विदेशी भाषा के विशेषज्ञों की विशेष मांग है तथा उन्हें इसके लिए बहुत अच्छा मेहनताना भी मिलता है।

बैंकिंग एवं वाणिज्य:

बैंकिंग क्षेत्र की बहुत सारी विदेशी कंपनियाँ भारत में कार्यरत हैं । डच/डोयच बैंक, PNB PARIBAS, SG, एचएसबीसी, AXA आदि बहुत सारी बैंकिंग, बीमा एवं वाणिज्य की कंपनियाँ भारत में हैं जिनमें विदेशी भाषा के जानकारों के लिए उज्ज्वल भविष्य है । वाणिज्य एवं प्रबंधन के छात्रों के लिए विदेशी भाषा का ज्ञान काफी रोज़गारपयोगी साबित होता है।

दूतावासों एवं उच्चायोगों में:

भारत स्थित सभी देशों के उच्चायोगों एवं दूतावासों में विदेशी भाषा के विशेषज्ञों की जरूरत पड़ रही है। इनके सांस्कृतिक केंद्रों पर भी कई भारतीय कार्यरत हैं।

खुद के व्यवसाय हेतु:

खुद के व्यवसाय के लिए भी विदेशी भाषा का ज्ञान फायदेमंद हो सकता है । हम देख सकते हैं कि किस तरह नमकीन और स्नैक्स के पैकों पर फ्रेंच/अरबी आदि लिखा रहता है । आज केवल अपना देश ही नहीं बाजार के रूप में उपलब्ध है बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारतीय वस्तुओं की मांग है एवं एक-दूसरे से संवाद के लिए भी विदेशी भाषा का ज्ञान आवश्यक है ।

कहाँ से करें कोर्स:

1. महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
2. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली
3. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
4. अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद
5. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
6. पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी
7. पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
8. मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
9. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
10. विश्व-भारती, शांतिनिकेतन

यह ध्यान रखना चाहिए कि विदेशी भाषा में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा अथवा डिग्री ही काफी नहीं है बल्कि भाषा पर पूरा अधिकार यानी बोलने, समझने और लिखने का समुचित ज्ञान जरूरी है तभी यह करियर उपयोगी साबित हो सकता है । विदेशी भाषा सीखना रोमांच के साथ-साथ करियर का एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है ।

डॉ. श्रीनिकेत कुमार मिश्र, सहायक प्रोफेसर, फ्रेंच
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
मो.- 09423410360, ईमेल- sriniket@yahoo.com